अतः मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध करती हूँ कि सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ सायकेट्री को पूर्वी भारत का NIMHAS घोषित कर इसे राष्ट्रीय महत्व का संस्थान बनाया जाए, इसका पुनरुद्धार किया जाए। यहां शिक्षकों, पीजी सीट्स, वार्ड्स की संख्या और अन्य सुविधाएँ बढ़ाई जाएं, ताकि लोगों को सस्ती, सुलभ और विश्वस्तरीय चिकित्सा मिल सकें। NIMHAS, बेंगलुरु का बोझ भी कम हो, लोगों का राह खर्च, होटल खर्च और समय बचे तथा ज़रूरतमंदों को सस्ती, सुलभ और विश्वस्तरीय चिकित्सा मिल सके। यह संस्थान भारत को स्वस्थ्य रखने में मील का पत्थर साबित होगा। कृपया इस पर ध्यान दिया जाए।

THE VICE-CHAIRMAN (DR. SASMIT PATRA): The following hon. Members associated themselves with the Special Mention made by Shrimati Mahua Maji: Dr. John Brittas (Kerala), Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala), Dr. V. Sivadasan (Kerala), Shri Mohamed M. Abdulla (Tamil Nadu) and Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu).

Now, Shri K.R.N. Rajeshkumar - not present. Shrimati Geeta *alias* Chandraprabha.

Demand of GI Tag for Desi Ghee from Auraiya, Uttar Pradesh

श्रीमती गीता उर्फ चंद्रप्रभा (उत्तर प्रदेश): उपसभाध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा प्रदेश है। विभिन्न जिलों की अपनी-अपनी विशेषताएं हैं। हमारा जनपद औरैया देशी घी के लिये प्रसिद्ध है। महोदय, वैदिक काल से आज तक स्वास्थ्य के लिए और पूजा अर्चना के लिए देशी घी की बड़ी मान्यता रही है। महोदय, छोटे किसान जो गाय-भैंस पालकर अपना जीवकोपार्जन करते हैं, उनके द्वारा देशी घी को तैयार करने से उनकी आय की बढ़ोतरी होगी। इसी को देखते हुए माननीय मुख्य मंत्री जी के द्वारा उत्तर प्रदेश में 'एक जिला, एक उत्पाद' नीति में औरैया जिले को चयनित कर, जिले के नागरिकों की चिन्ता की है। जिले में उत्पादित घी को देश-विदेश तक पहुँचाने एवं घी संबंधित उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए 'एक उत्पाद योजना' के अंतर्गत जिले के उत्पाद के रूप में देशी घी को चुना गया है। जिले में देशी घी के उत्पादन और व्यापार को और मज़बूती देने के लिए तथा देश-विदेश तक इसकी पहुँच को सुनिश्चित करने के लिये, मैं आपके माध्यम से सरकार एवं माननीय मंत्री जी से अनुरोध करती हूँ कि औरैया जिले के देशी घी को GI टैग यानी ज्योग्राफिकल इंडिकेशन टैग का दर्जा दिया जाए, जिससे देश के अन्य ज्योग्राफिकल इंडिकेशन टैग (GI) प्राप्त वस्तुओं की तरह औरैया जिले के देशी घी को राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय पटल पर स्थान प्राप्त हो सके।

Demand for Capacity Building in Medical Services

LT. GEN. (DR.) D.P. VATS (RETD.) (Haryana): With the hon. Prime Minister's call for One World, One Family and One Future, provision of health services to mankind

becomes our duty. Being the largest population base in the world with exportable human resources including skilled medical and paramedics, there is a huge demand for such professionals all over the world. Skilled manpower earns and brings massive foreign exchange and simultaneously gets employment opportunities. To meet the global and national demand, the Ministry of Health and Family Welfare has opened 21 AIIMS and 706 medical colleges with paramedical colleges, which is commendable. To meet such a huge demand, the Government should liberalise the licensing policies to permit the medical graduates to operate emergencies including C section after a one year course in Surgery, Gynae and Anaesthesia, as was the practice before 1980. The medical profession should be taken out of Consumer Protection Act and rural service should have more incentives. I urge the Government to look into the matter.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. SASMIT PATRA): Hon. Member, Dr. John Brittas (Kerala) associated himself with the Special Mention made by Lt. Gen (Dr.) D.P. Vats (Retd.).

Need for promotion of self help groups to develop places like Jabalpur, Mandla, Chhindwara, Pachmarhi etc. as tourist centres

श्रीमती सुमित्रा बाल्मीक (मध्य प्रदेश): महोदय, आज मैं आपके सामने जो विषय लेकर खड़ी हूं, वह मध्य प्रदेश से जुड़ा है। पिछले कुछ वर्षों में मध्य प्रदेश में पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। वैसे तो यह बढ़ोतरी कोविड संक्रमण के बाद पूरे भारत के पर्यटन सेक्टर में हुई है, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था को भी फायदा पहुंचा है। मध्य प्रदेश को भारत का दिल माना जाता है और भेड़ाघाट, चौसठ योगिनी, बांधवगढ़, कान्हा, खजुराहो आदि जैसे कई विश्वप्रसिद्ध दर्शनीय स्थल हैं। इसके साथ ही बहुत से ऐसे प्राकृतिक और ऐतिहासिक महत्व के स्थल हैं, जिन्हें पर्यटन की दृष्टि से और भी विकसित किया जा सकता है।

महोदय, मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने स्वयं सहायता समूहों को बहुत बढ़ावा दिया है और करोड़ों महिलाओं और ग्रामीण युवाओं को रोज़गार से जोड़ा है। आपके माध्यम से मेरा भारत सरकार से निवेदन है कि मध्य प्रदेश में पर्यटन को और सुदृढ़ बनाने हेतु ऐसे ही स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं बनाई जाएं। जबलपुर, मंडला, छिंदवाड़ा, पंचमढ़ी आदि स्थानों को पर्यटन के केन्द्रों की तरह विकसित किये जाने से एक बहुत बड़ी आबादी को लाभ मिलेगा और अर्थव्यवस्था के बढ़ते आयामों को लाभ मध्य प्रदेश की जनता को मिलेगा। सर, अतिथि देवो भवः के मूल मंत्र को मध्य प्रदेश ने अपनाया है और भारत सरकार और मध्य प्रदेश सरकार के प्रयासों से प्रदेश का पर्यटन विभाग नए आयाम छू सकता है।